



मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल - 462003
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)
MAULANA AZAD NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY BHOPAL- 462003
(An Institute of National importance under Ministry of Education, Govt. of India)

क्र. एबी/स्था./2025/ 1859

दिनांक: 16/09/2025

//परिपत्र//

विषय: 'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025' के अंतर्गत स्वच्छता प्रण (Swachhata Pledge) का आयोजन।

'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025' के अंतर्गत राष्ट्रव्यापी आयोजन के अनुपालन में, जो कि 12 सितंबर से 30 सितंबर 2025 तक निर्धारित है, संस्थान द्वारा उक्त अभियान की गतिविधियों के अंतर्गत **स्वच्छता प्रण (Swachhata Pledge)** का आयोजन किया जाएगा।

सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सफाई मित्रों से अनुरोध है कि वे नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार उपरोक्त समारोह में सम्मिलित होने की कृपा करें:

तिथि: 17 सितंबर 2025 (बुधवार)

समय: प्रातः 10:00 बजे

स्थान: मुख्य पोर्च, प्रशासनिक भवन, मैनिट भोपाल

यह पहल एक स्वच्छ भारत के दृष्टिकोण के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी और अटूट प्रतिबद्धता को पुनः पुष्टि करने हेतु है। सभी संबंधित की उपस्थिति और पूर्ण सहभागिता से इस अभियान की सफलता सुनिश्चित की जा सकती है। स्वच्छता शपथ की प्रति सुलभ संदर्भ हेतु संलग्न की जा रही है।


सहायक कुलसचिव (स्थापना)

संलग्नक: उपरोक्तानुसार

प्रेषित:

सभी संबंधित को

प्रतिलिपि:

1. नोडल अधिकारी, स्वच्छता पखवाडा 2025
2. सभी संकायाध्यक्ष / विभागाध्यक्ष / केंद्राध्यक्ष / अनुभाग प्रमुख
3. प्रभारी, संस्थान वेबसाइट - संस्थान वेबसाइट पर प्रकाशन हेतु।
4. कुलसचिव के निज सहायक - कुलसचिव महोदय की सूचना हेतु।
5. निदेशक के निज सहायक - निदेशक महोदय की सूचना हेतु।


सहायक कुलसचिव (स्थापना)



एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आज़ाद कराया।

अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूँ कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूँगा और उसके लिए समय दूँगा।

हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूँगा।

मैं न गंदगी करूँगा न किसी और को करने दूँगा

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गाँव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरुआत करूँगा।

मैं यह मानता हूँ कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूँगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूँ, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊँगा। वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूँगा।

मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।



एक कदम स्वच्छता की ओर

SWACHHATA PLEDGE

Mahatma Gandhi dreamt of an India which was not only free but also clean and developed.

Mahatma Gandhi secured freedom for Mother India.

Now it is our duty to serve Mother India by keeping the country neat and clean.

I take this pledge that I will remain committed towards cleanliness and devote time for this.

I will devote 100 hours per year, that is two hours per week, to voluntarily work for cleanliness.

I will neither litter nor let others litter.

I will initiate the quest for cleanliness with myself, my family, my locality, my village and my work place.

I believe that the countries of the world that appear clean are so because their citizens don't indulge in littering nor do they allow it to happen.

With this firm belief, I will propagate the message of Swachh Bharat Mission in villages and towns.

I will encourage 100 other persons to take this pledge which I am taking today.

I will endeavour to make them devote their 100 hours for cleanliness.

I am confident that every step I take towards cleanliness will help in making my country clean.